DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mo- 9415376545

B.A PART-II Paper-IV (Indeain Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No..... Lecture No. 11 Date.14/09/20.....

राजनीतिक संस्कृति पर लुसियन पाई का विचार

लुसियन पाई द्वारा राजनीतिक संस्कृति की बहुत अधिक रोचक और विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की गई है उनके अनुसार राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा बताती है कि किसी समाज की परम्परायें उसकी सार्वजनिक संस्थाओं की आत्मा उनके नागरिकों की आकांक्षायें और उनका सामूहिक विवेक तथा उनके नेताओं के लक्ष्यों और सक्रिय होने के नियम आदि केवल ऐतिहासिक अनुभव की उत्पत्ति उपज नहीं हैं वरन् ये सब एक अर्थपूर्ण सम्पूर्ण व्यवस्था के अंग हैं और सम्बन्धों का एक बोध गम्य तथा स्पष्ट तानाबाना उपस्थित करते हैं।

राजनीतिक संस्कृति व्यक्ति के लिए प्रभावशील राजनीतिक व्यवहार की क्रिया में आगे निर्देशित करती है और समाज के लिए उन मूल्यों तथा विवेकपूर्ण विचारों को व्यवस्थित रूप और रचना पहान करती है जो कि संस्थाओं और संगठनों के कार्यकलापों में मेल या संगति बैठाते हैं।

लुसियन पाई विषय को स्पष्ट करते हुए आगे कहते हैं कि एक राजनीतिक संस्कृति एक राजनीतिक व्यवस्था में की इतिहास की उपज है और उन व्यक्तियों की जीवन गाथाओं की उपज है जिन्होंने मिल कर ही इस व्यवस्था को बनाया है इस प्रकार राजनीतिक संस्कृति की जड़ें सार्वजनिक घटनाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में समान रूप से निहित हैं।

राजनीतिक संस्कृति को भली भाँति समझने के लिए राजनीतिक शैली (Political style) अथवा कार्यात्मक नियम संग्रह (Operational Code) से अलग कर दिया जाना चाहिए। राजनीतिक शैली अथवा कार्यात्मक नियम संग्रह का बिन्दु मात्र राजनीतिक उच्च वर्ग का व्यवहार चुना है लेकिन राजनीतिक संस्कृति इसकी तुलना में बहुत व्यापक है क्योंकि इसके अन्तर्गत

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mo- 9415376545

B.A PART-II, Paper-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................   Date. 14/08/20

राजनीतिक उच्च वर्ग और सामान्य जनता दोनों के ही राजनीतिक व्यवहार का ही अध्ययन किया जाता है। दूसरी ओर राजनीतिक संस्कृति जनमत और राष्ट्रीय चरित्र जैसी धारणाओं से अधिक प्रतिबंधित और अधिक स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। जनमत और राष्ट्रीय चरित्र बहुत व्यापक शब्द हैं, जबकि राजनीतिक संस्कृति अपेक्षाकृत सीमित और निश्चित राजनीतिक अर्थ वाला शब्द है।

राजनीतिक संरचनाओं, प्रक्रियाओं एवं प्रकार्यों को उन अभिवृत्तियों के संदर्भ में समझा जा सकता है जो इनको संचालित रखने वाले मानव समुदाय में पायी जाती हैं। दूसरे शब्दों में राजनीतिक व्यवस्थाओं की गत्यात्मक शक्तियों को समझने के लिए उनसे सम्बन्धित राजनीतिक संस्कृति को समझना आवश्यक हो गया है। अब यह माना जाने लगा कि राजनीतिक संस्कृति के माध्यम से यह गुत्थी सुलझायी जा सकती है कि विभिन्न व्यवस्थाओं में एक-सी राजनीतिक संस्थाएँ, भिन्न-भिन्न प्रकार से सक्रिय क्यों होती हैं? अतः तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषणों को यथार्थवादी बनाने के लिए राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा के आधार पर तुलनायें करना आवश्यक माना जाने लगा है। जिसको लेकर विकासशील और विकसित देश निरन्तर प्रयासशील हैं।

(समाप्त)

Scanned with CamScanner